सर्वनाम

सर्वनाम का अर्थ है - सभी संज्ञाओं के लिए प्रयुक्त होनेवाला नाम; जैसे –

मोहन जाता है । वह एक अच्छा लड़का है ।

सर्वनाम वाक्य में कर्त्ता, कर्म और पूरक के स्थान पर आ सकते हैं; जैसे–

कर्त्ता - **वह** जाता है ।

कर्म - **उसको** बुलाओ ।

पूरक - वह **कौन** है ?

लिंग के कारण सर्वनाम में कोई परिवर्त्तन नहीं होता; जैसे –

वह जाता है । वह जाती है ।

वचन के कारण सर्वनाम में परिवर्त्तन होता है; जैसे –

वह पढ़ता है । वे पढ़ते हैं ।

परसर्ग के कारण सर्वनाम में परिवर्त्तन होता है; जैसे –

(वह) उसने खाया । (वे) उन्हें बुलाओ ।

(मैं) मुझसे कुछ न पूछो ।

'आप' और 'कुछ' में परिवर्त्तन नहीं होता; जैसे –

आपका सामान तैयार है । कुछ खा लो ।

सर्वनाम छह प्रकार के होते हैं –

१. पुरुषवाचक (मैं, तुम आदि)

२. निश्चयवाचक (यह, वह आदि)

३. अनिश्चयवाचक (कोई, कुछ आदि)

४. सम्बन्धवाचक (जो)

५. प्रश्नवाचक (कौन, क्या)

६. निजवाचक (आप)

इन पर नीचे विचार किया जा रहा है।

१. पुरुषवाचक सर्वनाम

किसी पुरुष या स्त्री के नाम के बदले आनेवाले शब्द को पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं । इनके तीन प्रकार हैं –

- उत्तम पुरुष : मैं, हम
- मध्यम पुरुष : तू तुम, आप
- अन्य पुरुष : वह, यह, वे, ये

२. निश्चयवाचक सर्वनाम

पास के अथवा दूर के व्यक्ति या वस्तु का निश्चित बोध करानेवाले शब्द को निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं –

पास : यह, ये

दूर : वह, वे

३. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

किसी व्यक्ति, प्राणी या वस्तु का निश्चित बोध न करानेवाले शब्द को अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं –

प्राणी : कोई

अप्राणी (वस्तु) : कुछ

४. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

किसी दूसरी संज्ञा या सर्वनाम से संबंध दिखाने के लिए आनेवाले शब्द को संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं –

जो (वह), जो (वे)

५. **प्रश्नवाचक सर्वनान**

प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त शब्द को प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं –

- अज्ञात व्यक्ति / प्राणी : कौन, कौन-कौन
- अज्ञात वस्तु : क्या, क्या-क्या

६. **निजवाचक सर्वनाम**

जो शब्द कर्त्ता के विषय में कुछ बताता है उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे -

आप / स्वयं/ खुद

अभ्यास

१. सर्वनाम किसे कहते हैं ? इसके भेदों के नाम लिखिए ।

२. 'कोई' का में सभी कारकों में एकवचन रूप लिखिए ।

३. निम्नलिखित सर्वनामों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

हमने, जिसको, अपनी, उससे, तू, तुम्हारा, किसी में, कोई, कौन, क्या

४. वाक्यों के खाली स्थानों को कोष्ठक के सर्वनामों के उचित रूपों से भरिए –

(i) आपने .... बुलाया (वह)

(ii) आज ....गाँव जाना है । (मैं)

(iii) ....मेज पर गिलास रखा ? (कौन)

(iv) .... को यह सन्तरा दे दो । (कोई)

(v) .... आपकी बात मान ली । (हम)

(vi) ...... ने हमारा सम्मान किया है। (आप)

(vii) अब तो मैं .... पर भरोसा नहीं कर सकता । (वे)

(viii) .... नाम क्या है ? (तू)

(ix) .... भाई बाजार गये हैं। (तुम)

(x) दूध में .... पड़ा है। (कुछ)

(xi) .... काम पूरा कर दिया। (वे)

(xii) .... को तुमने छू लिया। (क्या)

(xiii) .... पर सभी का विश्वास है। (आप)

५. 'क' स्तम्भ के मूल रूपों के साथ 'ख' स्तंभ के तिर्यक रूप जोड़िए –

'क'	'ख'
मैं	किसी
हम	उसे
तू	इन्हें
तुम	किन्होंने
वह	किस पर
वे	जिसकी
यह	तुझको
ये	उन्होंने
कौन	इसका
क्या	तुम्हें
कोई	हमारी
जो	मुझे

सर्वनामों की रूपावली

पुरुषवाचक उत्तम पुरुष मैं

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	मैं, मैंने	हम, हमने
कर्म	मुझे, मुझको	हमें, हमको
करण	मुझसे, मेरे द्वारा	हमसे, हमारे द्वारा
सम्प्रदान	मुझे, मुझको, मेरे लिए	हमें हमको, हमारे लिए
अपादान	मुझसे	हमसे
सन्बन्ध	मेरा, मेरे, मेरी	हमारा, हमारे, हमारी
अधिकरण	मुझमें, मुझ पर	हममें, हम पर

पुरुषवाचक मध्यम पुरुष 'तू'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	तू, तूने	तुम, तुमने
कर्म	तुझे, तुझको	तुम्हें, तुमको
करण	तुझसे, तेरे द्वारा	तुमसे, तुम्हारे द्वारा
सम्प्रदान	तुझे, तुझको, तेरे लिए	तुम्हें, तुमको, तुम्हारे लिए
अपादान	तुझसे	तुमसे
सम्बन्ध	तेरा, तेरे, तेरी	तुम्हारा, तुम्हारे, तुम्हारी
अधिकरण	तुझमें, तुझ पर	तुममें, तुम पर

नोट : 'तुम' का प्रयोग एकवचन में भी होता है।

अन्यपुरुषवाचक तथा निश्चयवाचक 'यह'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	यह, इसने	ये, इन्होंने
कर्म	इसे, इसको	इन्हें, इनको

करण	इससे, इसके द्वारा	इनसे, इनके द्वारा
सम्प्रदान	इसे, इसको, इसके लिए	इन्हें, इनको, इनके लिए
अपादान	इससे	इनसे
सम्बन्ध	इसका, इसके, इसकी	इनका, इनके, इनकी
अधिकरण	इसमें, इस पर	इनमें, इन पर

अन्यपुरुषवाचक तथा निश्चयवाचक 'वह'

कारक	**एकवचन**	**बहुवचन**
कर्त्ता	वह, उसने	वे, उन्होंने
कर्म	उसे, उसको	उन्हें, उनको
करण	उससे, उसके द्वारा	उनसे, उनके द्वारा
सम्प्रदान	उसे, उसको,उसके लिए	उन्हें, उनको, उनके लिए
अपादान	उससे	उनसे
सम्बन्ध	उसका, उसके, उसकी	उनका, उनके, उनकी
अधिकरण	उसमें, उस पर	उनमें, उन पर

प्रश्नवाचक 'कौन'

कारक	**एकवचन**	**बहुवचन**
कर्त्ता	कौन, किसने	कौन, किन्होंने
कर्म	किसे, किसको	किन्हें, किनको
करण	किससे, किसके द्वारा	किनसे, किनके द्वारा
सम्प्रदान	किसे,किसको, किसके लिए	किन्हें, किनको, किनके लिए
अपादान	किससे	किनसे
सम्बन्ध	किसका,किसके, किसकी	किनका, किनके, किनकी
अधिकरण	किसमें, किस पर	किनमें, किन पर

अनिश्चयवाचक 'कोई'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	कोई, किसीने	कोई, किन्हीं ने
कर्म	किसीको	किन्हीं को
करण	किसी से, किसी के द्वारा	किन्हीं से, किन्हीं के द्वारा
सम्प्रदान	किसी को, किसी के लिए	किन्हीं को, किन्हीं के लिए
अपादान	किसी से	किन्हीं से
सम्बन्ध	किसी का,किसी के, किसी की	किन्हीं का, किन्हीं के, किन्हीं की
अधिकरण	किसी में, किसी पर	किन्हीं में, किन्हीं पर

सम्बधवाचक 'जो'

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्त्ता	जो, जिसने,	जो, जिन्होंने
कर्म	जिसे, जिसको	जिन्हें, जिनको
कारण	जिससे, जिसके द्वारा	जिनसे, जिनके द्वारा
सम्प्रदान	जिसे, जिसको, जिसके लिए	जिन्हें,जिनको, जिनके लिए
अपादान	जिससे	जिनसे
सम्बन्ध	जिसका, जिसके, जिसकी	जिनका, जिनके, जिनकी
अधिकरण	जिसमें, जिस पर	जिनमें, जिन पर